

## सूचना संलयन केंद्र - हिंद महासागर क्षेत्र (IFC-IOR)

### चर्चा में क्यों?

**सूचना संलयन केंद्र - हिंद महासागर क्षेत्र** (Information Fusion Centre – Indian Ocean Region, IFC-IOR) ने एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से समुद्री सुरक्षा स्थितियों के लिये समुद्री डेटा और घटना प्रतिक्रियाओं का हवाला देते हुए (Cuing Incident Responses) सूचना साझाकरण हब के रूप में काम करना शुरू कर दिया है।

### इस कदम के नहितिरथ:

- IOR वभिन्न दीर्घीय देशों एवं तटीय राज्यों से युक्त संगठन है जिनकी अपनी विशिष्ट आवश्यकताएँ, आकांक्षाएँ, सुचियाँ तथा मूल्य हैं अतः इन क्षेत्रों में समुद्री डिकैंटी का मुकाबला करना आवश्यक है।
- IFC-IOR यह सुनिश्चित करेगा कि पूरे क्षेत्र को आपसी सहयोग और सूचनाओं के आदान-प्रदान के माध्यम से लाभान्वति किया जा सके।

#### In real time

The Navy's Information Fusion Centre-Indian Ocean Region (IFC-IOR) in Gurugram is the single-point centre linking all coastal radar chain networks along the 7,500-km Indian coastline and in some neighbouring countries

■ The IFC tracks and monitors 75,000 - 1.5 lakh shipping vessels in real time round-the-clock



■ The IFC actively interacts with the maritime community and has already built linkages with 18 countries and 15 multinational and maritime security centres

■ The major centres with which regular exchange of maritime security information is being undertaken include Virtual Regional Maritime Traffic Centre, Maritime Security Centre- Horn of Africa, Regional Cooperation Agreement on Combating Piracy and Armed Robbery, Information Fusion Centre-Singapore, and International Maritime Bureau-Piracy Reporting Centre

II

### हिंद महासागर महत्वपूर्ण क्यों है?

- हिंद महासागर क्षेत्र अगले 20 वर्षों में नए वैश्वकि विकास का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन बनने की क्षमता रखता है।
- यह उत्तरी अटलांटिक और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय अरथव्यवस्था एवं वैश्वकि व्यापार के स्तर पर एक विशिष्ट स्थान रखता है।
- हिंद महासागर प्राकृतिक संसाधनों से भी समृद्ध है। वैश्व के 40% अपतटीय तेल (Offshore Oil) का उत्पादन हिंद महासागर के बेसनि में होता है।
- हिंद महासागर क्षेत्र में वैश्व के मतस्य उत्पादन का लगभग 15% भाग का उत्पादन किया जाता है।
- यह क्षेत्र खनजि संसाधनों की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ भारी मात्रा में मैग्नीज, तांबा, लोहा, जस्ता, चांदी तथा सोने की उपलब्धता है।
- हिंद महासागर का तटीय क्षेत्र टाइटेनियम, ज़रिकोनियम, टनि, जस्ता और तांबे का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके अतिरिक्त यहाँ वभिन्न दुरलभ पृथकी तत्त्व भी पाए जाते हैं।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/information-fusion-centre-indian-ocean-region>

